सूर्य छट व्रत कथा PDF

सूर्य देव जी की कथा (षष्ठी व्रत कथा) के अनुसार प्रियव्रत नाम की एक राजा थे उनकी पत्नी का नाम मालिनी जी था दोनों की एक भी संतान नहीं थी इसी बात को लेकर दोनों बहुत परेशान रहते थे एक दिन महर्षि कश्यप ने यज्ञ पुत्रेष्टि करवाया यज्ञ कराने के फलस्वरूप रानी गर्भवती हो गई।

परंतु 9 महीने के पश्चात जब बच्चा पैदा हुआ तो रानी को मरे हुए पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई जब यह बात राजा को पता चली तो राजा को बहुत ही दुख हुआ इस दुख की वजह से राजा ने आत्महत्या करने का मन बना लिया और जब राजा आत्महत्या करने जा रहे थे तो उनके सामने एक सुंदर देवी प्रकट हुई।

देवी ने राजा से कहा कि मैं षष्टी देवी हूं मैं मनुष्य को पुत्र का सौभाग्य देती हूं देवी ने कहा जो भी व्यक्ति सच्चे दिल से मेरी पूजा करता है मैं उसकी सभी इच्छाएं पूर्ण कर देती हूं यदि तुम भी मेरी पूजा सच्चे दिल से करोगे तो मैं तुम्हें भी पुत्र रतन प्रदान करूंगी राजा ने यह सब बात सुनकर देवी की पूजा की।

राजा और उसकी पत्नी ने षष्टी तिथि के दिन षष्टी देवी की पूजा पूर्ण विधि-विधान से की इसी के कारण उन्हें एक बहुत ही सुंदर पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई उसी दिन से छठ का पावन पर्व मनाया जाता है।

pdfinbox.com

pdfinbox.com

pdfinbox.com